BPYC-104: आधुनिक पाश्चात्य दर्शन (Modern Western Philosophy)

असाइनमेंट: TEE दिसंबर 2025 और जून 2026

BPYC-104
आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्न समान अंक के हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग **400** शब्दों में होने चाहिए।

1. मध्यकालीन दर्शन (Medieval Philosophy) के मुख्य विचारों पर संक्षिप्त निबंध लिखिए। 20

या

ज्ञान की प्रकृति के संबंध में काण्ट का क्या मत है? व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए। 20

2. डेकार्ट के संदेह की पद्धति (Method of Doubt) को समझाइए और विश्लेषण कीजिए। 20

या

डेकार्ट बाह्य जगत (External World) के अस्तित्व को किस प्रकार सिद्ध करता है? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए। **2 × 10 = 20**

a) कारणता (Causality) का विचार समझाइए। ह्यूम ने कारणता की धारणा की किस प्रकार आलोचना की है? 10

b) ऑगस्टिन के विश्वास/ आस्था का उनके दर्शन पर क्या प्रभाव पड़ा? 10

c) जन्मजात प्रत्यय (Innate Ideas) क्या होते हैं? लॉक किस तरह जन्मजात प्रत्यय के विचार की आलोचना करते हैं? 10

d) यहूदी दर्शन की विशेषताएँ क्या हैं? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए। **4 × 5 = 20**

a) लॉक के प्राथमिक (Primary) और द्वितीयक (Secondary) गुणों में अंतर कीजिए।

b) बर्कले द्वारा भौतिकवाद (Materialism) की खंडन पर टिप्पणी लिखिए।

c) डंस स्कोटस के दर्शन की विशिष्टता को समझाइए।

d) कॉम्टे के चिंतन की मुख्य चिंता और लक्ष्य क्या था?

e) पुनर्जागरण काल (Renaissance Period) की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी दीजिए।

f) प्रबोधन युग (Enlightenment) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5 × 4 = 20

a) अलगावित श्रम

b) लॉक का प्रतिनिधिक अनुभूति सिद्धांत (Representative Theory of Perception)

c) संश्लेषणात्मक प्रागनुभवी एवं विश्लेषणात्मक प्रागनुभवी

d) प्रत्यक्षवाद

e) ऑकम का उस्तरा

f) स्कोलास्टिसिज़्म

g) हेगेल का निरपेक्ष सत्य (Absolute Truth) का विचार

h) अशुभ की समस्या